



विद्या सर्वस्य भूषणम्

# विद्या

PRABODHAN EDUCATION SOCIETY'S  
**VIDYA PRABODHINI COLLEGE OF COMMERCE, EDUCATION, COMPUTER AND MANAGEMENT**

VIDYANAGAR, ALTO -PARVARI, GOA

(Recognised by Govt. of Goa, Affiliated to Goa University & Approved By NCTE)

(Recognised by U.G.C. under section 2(f) and 12(B) of the UGC Act 1956)

Accredited by NAAC with Grade B+ on a Seven Point Scale in the First Cycle Under New Framework

Vol. I, Issue No. 1

Quarterly Newsletter

June - August, 2019

Vidya Prabodhini College is proud to release this newsletter at the hands of Shri. Shripad Yesso Naik, Hon. Minister of State (Independent Charge) for AYUSH, on 9<sup>th</sup> October, 2019

## Notices/Announcements

- **Semester End Examination (SEE), Oct./Nov. 2019:**  
Commencement on 21st Oct., 2019
- **Winter Break:**  
Monday, 11th Nov., 2019 to  
Saturday, 30th Nov., 2019
- **College Reopening:**  
01st Dec., 2019

## Contents

Interview of Smt. Mridula Sinha, Hon. Governor of Goa	page 1 & 2
Feather in the Cap	page 1
Events/Activities Conducted	page 2
Nisarg Hariyalee - Pride of VPC	page 3
Achievements	page 4
Stellar Achievements	page 4

## Editor's Note

It gives me immense pleasure to write the first ever Editor's Note for the College newsletter. This document is a testimony to the rapid progress the institution has made in the short period of seven years since its inception. This has been possible only due to the dedication and commitment of the Management & faculty members to the cause of Education and holistic development of students. The College takes credit for being the first college in the State of Goa to be accredited by NAAC under the new guidelines effective from July, 2017. The college figures in the top 145 Best Commerce Colleges in India in the India Today Ranking, 2019.

Within the pages of the newsletter, the reader will be able to get a glimpse into the various accolades and activities that the institution is notching up towards truly becoming a College with a Difference. I hope you take the same pride in reading about our various achievements as I have in presenting them.

- Dr. M.R.Patil

## Editorial Board

### Editor-in-Chief:

Dr. M. R. Patil (Principal)

### Executive Editor:

Mr. Kedarnath Tadkod (Asst. Professor)

### Board Members:

Ms. Priya Gosavi (Asst. Professor)

Ms. Yogita Chodankar (Asst. Professor)

Mr. Darshan Kandolkar (Asst. Professor)

Ms. Nikita Shirodkar (Asst. Professor)

Mr. Ashay Naik (ICT Laboratory Assistant)



## राज्यपाल मृदुला सिन्हा का साक्षात्कार

श्रीमती मृदुला सिन्हा, गोवा की माननीय राज्यपाल, भारत की एक प्रतिष्ठित लेखिका तथा कवयित्री भी हैं। वे केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड और प्रभाती, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रह चुकी हैं। उन्होंने विभिन्न विषयों पर 50 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। और उन्हें कई राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। एक विपुल लेखिका तथा राजनीतिज्ञ के इस दोहरे व्यक्तित्व के बारे में और अधिक जानने के लिए, विद्या प्रबोधिनी महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका प्रिया गोसावी ने अपने दो छात्राओं कु. समीक्षा नाईक और कु. विंदा पोलेकर की सहायता से मृदुला सिन्हा का साक्षात्कार लिया है।

आप एक अध्यापिका रही है, तो आपके शिक्षण क्षेत्र का अनुभव किस प्रकार का रहा?

शिक्षण के क्षेत्र में बहुत आनंद आया। मैं कालेज में पढ़ाती रही उसके बाद मैं 'भारतीय शिशु मंदिर स्कूल' की प्राचार्य बनी। बच्चों को पढ़ाने में बहुत आनंद आया। ऐसे होता है कि बच्चों का मस्तिष्क गीली मिट्टी की तरह है और उस में बिजारीपण करो, तो वे जल्द ही प्रस्फुटित होते हैं। वह मिट्टी मानस है, उसमें बीज डालना यानी सीख की बीज डालना। मेरे स्कूल के जीवन में बहुत अनुभव है। जब मैं उनको प्रार्थना के समय कुछ बातें कहती थी तब सब बच्चे उसका पालन करते थे। फिर वे बच्चे घर जाकर भी अपने माता-पिता से कहते कि हाथ धो के खाना खाना है, ऐसा बड़ी-बी कहती हैं। यह सब सुनकर बहुत खुशी होती थी। कालेज में पढ़ाते समय उनके उम्र में आ जाना है- कालेज में पढ़ाना है तो, विद्यार्थियों के साथ हो जाना है, बहुत दूरी नहीं रखनी है। आज



भी जब विद्यार्थी मिलते हैं, तो बताते हैं 'आपने यह सिखाया', तब यह सब सुनकर बहुत खुशी होती है।

आपको कौन-कौन से विषयों में अधिक रुचि है?

इन दिनों मुझे धीरे-धीरे रुचि पैदा हुई है, हालांकि बचपन से ही थी- लोकसंगीत, लोकगीत, लोकसाहित्य में बहुत रुचि है क्योंकि उन गीतों में एक जीवन का दर्शन और आदर्श है जिसमें बहुत कुछ सिखाया जाता है। आज कल के बच्चों को विवाह क्या है? कैसे चलाया जाता है? और बहुत कुछ सिखाया नहीं जाता है। वह पढ़ रहे हैं आय.आय.टी कर रहे- बहुत पैसे कमा रहे हैं लेकिन वो जो साहित्य हैं- मनुष्य के निर्माण के लिए, मनुष्य के जीवन में सुख लाने के लिए, रिश्तों-नातों में क्या हासिल होता है? कैसे रिश्ते निभाये जाते हैं? भाई-बहन का रिश्ता कैसा होता है? बेटी और पिता का रिश्ता कैसा होता है? कैसे आदर्श हो सकता है? पति-पत्नी का रिश्ता कैसे होता है? उसे कैसे उत्तम बनाया जा सकता है? इन सारी चीजों से संबंधित कथाएँ अथवा लोकगीत हैं। इन सब के कारण उस क्षेत्र

में देखना, सोचना मेरा स्वभाव हो गया है।

आज की समस्याओं पर जब विचार होने लगता है, तो मैं पीछे चली जाती हूँ उस समय उस समस्या के समाधान के लिए क्या-क्या किया जाता था? और गीतों के माध्यम से कैसे प्रबोधन होता था। उस विचारों में चली जाती हूँ और मुझे उस में समाधान मिलता है। इसलिए यह विषय मेरे पहले विकल्प हैं। उसके बाद लेखन है- करीब ८० किताबें लिख चुकी हूँ ऐसे बहुत सारे विषय हैं लेकिन सभी विषय एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। यह संपूर्ण समाज की हम बात करते हैं तो सामाजिक, राजनीतिक उसी में आ जाता है।

contd. on Pg.2

## Feather in the Cap

### DONATION OF RARE BOOKS COLLECTION

Dr. Prakashchandra P. Shirodkar, eminent historian of international repute, and former Director of Directorate of Archaeology, Govt. of Goa, gifted more than 350 rare books on Goan History, Indian History, important journal issues and books in Portuguese to the College library. Inauguration of the Rare Books Collection was held on 15<sup>th</sup> August, 2019, by Dr. Praveen Shirodkar, the younger brother of Dr. Prakashchandra P. Shirodkar.

The library also added more than 400 new books from different subjects to its existing collection during the period of June-September. The total collection has reached 5,878 books and journals in September, 2019.



मैंने मनोविज्ञान में एम.ए. किया लेकिन कभी छोड़ा नहीं। साहित्य का आधार मनोविज्ञान होता है। तो वह साथ ही है, शिक्षा के क्षेत्र में मुझे अभी भी रुचि है। मैंने नहीं मनोविज्ञान को छोड़ा नहीं शिक्षा को छोड़ा। बात राजनीति की हो रही है तो, राजनीति बिना शिक्षित हुए और साथ मनोविज्ञान को छोड़ के राजनीति नहीं हो सकती। राजनीति में –

“You have to understand the mindset of the people”.

**आपके साहित्य पर कभी राजनीतिक अनुभव का प्रभाव पड़ा ?**

साहित्य पर राजनीतिक अनुभव बहुत पड़ता है चूंकि राजनीति एक दृष्टि बना देती है इसलिए लिखते समय उसका प्रभाव जरूर पड़ेगा। लेकिन मेरे साहित्य का राजनीति पर प्रभाव पड़ा है। हाली में मैंने एक बात सुनी जिसमें- एक बहुत पुराना उपन्यास जिसका लोकार्पण वाजपेयीजी ने किया था, तो किसी महिला ने यह खोज करके लिखा है कि बहुत साल पहले मृदुला सिन्हा ने यह बात कही है और साहित्य के माध्यम से समाज के लिए हित कार्य है, जिसे फिर सरकार ने ५-६ महिनो पहले कानून बनाया है। साहित्यकार- समाज को दिशा देता है, इसलिए दोनों ओर से प्रभाव पड़ता है अथवा प्रभावी होना भी चाहिए।

**आपने महिलाओं के बारे में बहुत कार्य किए हैं, उसके बारे में कुछ अनुभव बताइए।**

महिलाओं के विषय में कार्य करते-करते मुझे 'महिला-मोर्चा' का अध्यक्ष बनाया गया। सबसे पहले मेरे दिमाग में विचार आया कि महिला-विकास की दिशा क्या होगी? क्यों विकास? कैसे विकास? किस तरह से विकास? यह सारी चीजें मैंने ढूँढनी शुरू की, फिर मैंने भारतीय स्त्री का इतिहास ढूँढा- क्या इतिहास रहा है हमारा?, उसके बाद वर्तमान के बारे में। भविष्य क्या होगा- हमारी लड़कियाँ कहा तक जाएगी? कैसे रहना है? कैसे खाना है? आदि बातों का विकास करना है। यह भारतीय महिलाएँ जो हैं- उनका भूत क्या है? और किस प्रकार से महिलाएँ आगे बढ़ी है? इन सारी चीजों का हमेशा से ही विचार अथवा अभ्यास किया है। ज्यादा तर मेरी पुस्तकें पढ़कर लोग यह सोचते हैं कि मैंने बहुत दिशाएँ दी हैं- “विकास का रास्ता” बहुत चिंतन मनन करते रहने से भ्रम पैदा होते हैं जिसे दिशा देने का काम, जैसे कि- “नारी को सशक्त बनाना” नारी को सशक्त बनाने के लिए उसे घर से निकालकर चौक पर रखने से नहीं होगा। उसको घर में ही प्रस्थापित करो, वह कुशल गृहिणी बनेगी, घर की मालकिन बनेगी और तब उसे सशक्त करेंगे उसके- पति, बेटा, आदि। सभी मिल के नारी को सशक्त करते हैं, सम्मान देते हैं, प्यार-आदर देते हैं अर्थ यह है कि नारी को शक्ति मिलती है। अतः सरकार को जो करना है वो ऐसे कार्य करवाए, जो उसके पति को करना है अर्थात् पूरा परिवार मिलकर नारी को सशक्त बनाता है। हमारे गांव-शहर में पहले से ही एक संयुक्त परिवार रहा है, जिसमें एक बुढ़ी दादी चौखट पर बैठी रहती और घर के सभी सदस्यों को आशीर्वाद देती रहती क्योंकि उन्हें पूछने पर मालूम रहता था कि कौन कहा जा रहा है? इसके कारण वह फूलती जा रही थी- वह सशक्त महिला थी। वह पढ़ी-लिखी नहीं थी, कोई काम नहीं करती फिर भी पूरे परिवार को नियंत्रण में रखती थी। अतः सशक्तिकरण की परिभाषा क्या है? केवल पैसे कमाना नहीं है, घर से पूरी समय के लिए घर के बाहर रहना नहीं है, नारी घर में भी सशक्त हो सकती है लेकिन उसका आर्थिक विकास होना भी जरूरी है। १९८० में “वुमन्स लीव” का नारा आया (बाहर से) उस समय मैंने कहा था कि भारतीय महिलाओं को ये मुक्ति कबूल नहीं- घर के काम करने से मुक्ति, बच्चा पैदा करने से मुक्ति, इन सबसे नारी को आनंद प्राप्त नहीं होगा। आनंद तो घर के कामों में है- यह देखना कि सब ठिक है या नहीं। वर्किंग वुमन ने इन दोनों में संतुलन रखा है- जिसमें नारी को आनंद भी मिलता रहा है। मैंने तभी कही था कि पुरुषों से हमें मुक्ति नहीं चाहिए- जो नारी मुक्ति आंदोलन का आधार था। यहाँ तक बात पहुँची थी कि लड़की- लड़की का विवाह हो, जो प्रकृति के नियमों के विरुद्ध था। हमें जो प्रकृति से मिला है उसको विकसित करना हमारा धर्म है। एक उम्र आ जाती है जहाँ- लड़का-लड़की मिलते हैं और उम्र में आकर्षण पैदा होता

है। यह हमने नहीं प्रकृति ने बनाया है। फिर समाज उनके खान-दान देखकर, उनकी मर्जी पूछकर उन्हें एक गठबंधन में बांध देते हैं। इन सारी चीजों व्यवस्था यदि ठीक से होगी तो समाज ठीक से चलेगा। इसलिए नारी सशक्तिकरण की परिभाषा को ठीक करनी होगी, जो मेरी कोशिश रहेगी।

**आपके जीवन में प्रभावी बदलाव लाने वाले व्यक्ति कौन है और उन्होंने आपको कैसे प्रोत्साहित किया ?**

मैंने आपको अपने पिताजी के बारे में बताया, यदि वह मुझे अवसर नहीं देते तो मैं कुछ कर नहीं पाती। लेकिन शादी के बाद जो कुछ भी यह श्रेय मेरे पति को जाता है। मेरे पति एक प्रोफेसर रहे हैं, तो वह मुझे हमेशा विद्यार्थी ही मान के चलते, बराबर नहीं माना कभी। बराबरी का दौर हमारे यहाँ नहीं था। मैंने १९८० में कहा था कि घर को अखाड़ा मत बनाओ- यह तब बनता है जब बराबरी की बात आती है। बराबरी की बात केवल नारा-बाजी करने से नहीं आएगी। बराबर मतलब- बराबर का सहयोग देना, एक-दूसरे की उन्नति में अपनी उन्नति मानना। इस तरह की जब सोच रहती है तब घर में सुख शांति आती है। मेरे पति ने मुझे राजनीति में जाने के लिए नहीं कहा था और जब मैं ने राजनीति में कदम रखा तब उन्होंने दृष्टि देने का काम किया तथा हर वक्त प्रोत्साहन भी दिया, कभी पीछे नहीं खिंचा। जब मैं समाज के लिए सोचती तब वह मेरे लिए सोचते हैं। अतः मेरे पति का बहुत सहयोग रहा है मेरे जीवन में।

**आपको साहित्य के क्षेत्र में रुचि कैसे निर्माण हुई ?**

बचपन से बहुत भावुक थी, जब भी सखियों से लड़ाई होती तो एक कहानी लिख डालती थी। ऐसे ही छात्रावास में अटपटी कहानियाँ होती होंगी। लेकिन जब मैं एम.ए. की परीक्षा देकर बैठी तब कालेज में पढ़ने की आदत लग गई थी, तो अजीब लगता था हालाँकि तब एक बेटा था तब मैं अपने पति से पृथ्वी, तब वह किसी पार्टी के अध्यक्ष और प्रोफेसर भी थे। मैं बहुत गुस्सा होकर उनसे पृथ्वी कि मैं अब क्या करूँ? फिर उन्होंने एक बार कहा कि “कहानियाँ लिखना शुरू कीजिए”- तब मुझे और गुस्सा आया, मैंने पूछा कि आप मेरा मजाक उड़ा रहे हैं- मैं कहानियाँ नहीं लिख सकती। तो वह बोले कि “मैं एक शिक्षक हूँ और एक विद्यार्थी की काबिलीयत समझता हूँ कि वह क्या कर सकता है।” उस समय मैंने दो कहानियाँ लिखी। फिर दस साल वह सब छोड़ दिया क्योंकि बाद में कोई मजबूरी नहीं थी कारण बहुत सारे काम थे। तो वे दोनों कहानियाँ हिन्दी के ‘कादंबरी’ में छपी जिस कारण फिर से उत्साह बढ़ा और धिरे-धिरे मैं लिखती गयी।

**आपके अनुसार ऐसा कौन रचनाकार है जो युवा पीढ़ी को अपने साहित्य के माध्यम से प्रेरणा देता है ?**

ऐसे बहुत सारे रचनाकार हैं जो युवा पीढ़ी को अपने साहित्य के माध्यम से प्रेरणा देते हैं। जैसे “अटल बिहारी वाजपेयी”- साहित्यकार नहीं थे फिर भी उनकी कविताएँ बहुत प्रेरणा देती थी। रामधारी सिंह दिनकर की कविताएँ- जिसमें बहुत सारा उत्साह था। अब स्वयं युवा पीढ़ी साहित्य लिख रही है और ऐसा- वैसा नहीं बहुत गहराई है। इसलिए मैं कभी मानती कि हमारी युवा पीढ़ी जो है वह संपर्क से हट गयी है वह पहचानने की बात है। वह जो भी लिखते हैं उसमें त्याग, तपस्या, राष्ट्रीय भाव तथा सामाजिक समस्याओं पर उनकी बहुत गहरी सोच है। इस कारण उनको हमेशा प्रोत्साहित करते रहना चाहिए।

**आज की शिक्षा प्रणाली के बारे में आपका क्या मत है ?**

शिक्षा प्रणाली तो आज की ही होती है-पुरानी नींव नया निर्माण। आज की जो आवश्यकता होता है उस पर आधारित होती है। और बहुत चिंतन स्मरण करके सुधार भी लाए जा रहे हैं। लेकिन मैं हमेशा कहती हूँ कि केवल अर्थ के लिए विद्या नहीं होनी चाहिए। सिर्फ पैसे कमाने है इसलिए पढ़ना है ऐसा नहीं होना चाहिए। बच्चों का चार्थिक विकास होना आवश्यक है, अर्थात् शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा। अतः पैसे कमाने के साथ-साथ वह एक अच्छा मनुष्य कैसे बने? यह देखना जरूरी है। हमारे यहाँ कहा गया है कि “पूत कपूत कियौं धन चाहें”- यदि कपूत है, पुत्र धन के योग्य नहीं है तो धन संचय क्यों करते हो। वह सब बर्बाद कर देगा, किसी भी स्थिति में बच्चे के लिए धन संचय मत करो चाहे बच्चा कितना भी अच्छा या बुरा हो। अतः बच्चे को संस्कार दो कि वह पैसे को व्यवस्थित ढंग से खर्च करें, बड़ों को मान दे अथवा मनुष्य बनाने की शिक्षा देनी

चाहिए। इसके बारे में मैंने सरकार और विश्वविद्यालय को बहुत सारे सुझाव दिए हैं।

**आपके अनुसार भविष्य के शिक्षकों को कैसे साहित्य का वाचन करना चाहिए ?**

जितने अच्छे साहित्य आते हैं, वह पढ़ने चाहिए। बहुत ऐसे भी साहित्य है जो ना दिशा देते हैं नाहिं आनंद देते हैं। तो ऐसे में बड़े लोगों अथवा शिक्षकों को, बच्चों को सही मार्गदर्शन देना चाहिए। साहित्य कुछ ना कुछ सिखाता है- जीवन के उद्देश्यों को परिपूर्ण करने में मदद करता है। इनके माध्यम से बच्चों को बताते रहना चाहिए कि सही साहित्य कौन सा है फिर वह अपने रुचि के अनुसार चयन करेंगे। हम ज्यादा भी किसी को नियंत्रण में नहीं रख सकते कारण पाठक की भी तो अपनी रुचि होती है।

**आज के युग में एक अच्छा इनसान बनने के लिए क्या करना चाहिए ?**

आज के युग में अच्छा इनसान बनने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है। सबसे पहले दूसरों विश्वास करना चाहिए, दृष्टि साफ हो, जाना कहा है? हमें करना क्या है? और जो हमारा जीवन जीने का सिध्दांत रहा है- जैसे लव-कुश, धृव, एकलव्य, प्रल्हाद इनकी कहानियाँ बच्चों को सुनानी चाहिए जिससे वह प्रोत्साहित हो। इन कहानियों को पढ़ के उन पर चिन्तन-मनन करने के उपरांत समाज हमारा लक्ष्य है, यह समझते हुए उसके हित के हेतु सोचना चाहिए। जब हम अपने आप से हटकर समाज के बारे में सोचते हैं तो उसमें हमें आनंद मिलता है और जीवन सफल होता है, समाज से ही राष्ट्र बनता है। मैं इन दिनों विश्वविद्यालय में वार्तालाप करने के लिए जाती हूँ तब वहाँ पाँच वचन लेती हूँ- पहला- माता-पिता को वृथाश्रम में नहीं भेजना, दूसरा- विवाह करना तो तोड़ना नहीं, तीसरा- कही भी किसी भी उम्र की स्त्री के साथ दुर्व्यवहार हो रहा हो तो अपने जान पर खेलकर उसे बचाना, चौथा- न गंदगी करना न करने देना, पाँचवाँ- जिंदगी में हर एक व्यक्तित्व नश्वर करता है, नशा होना चाहिए लेकिन कौन सा नशा? वैसा नशा नहीं जो आपको बेहोश कर दे, ऐसा नशा जिसमें आप होश में रहे और देशभक्ति करें। देशभक्ति का नशा आपको आनंद भी देगा और जीवन आपको जो चाहिए वह प्राप्त होगा।

**आपके शिक्षा के बारे में बताइए।**

मेरा जन्म एक उस जमाने में पड़े-लिखे पिता के घर में हुआ। पिता की सबसे अंतिम संतान मैं थी। उनकी इच्छा थी कि मेरी बेटा बहुत दूर तक पढ़े। इसलिए उन्होंने मुझे गांव के स्कूल में डाला। भारतीय दृष्टि से भारतीय संस्कार डालने के लिए लड़कियों का सभी दौर का विकास होने के लिए विद्यालय खुला है, इसलिए उन्होंने आठ वर्ष की उम्र में छात्रावास में भेजा। यह बात गांववालों तथा अगल- बगलवालों के लिए बहुत बड़ी खबर थी क्योंकि उन दिनों छात्रावास कोई जानता नहीं था। अतः बड़े-बुजुर्ग औरतें मेरे पिताजी को डाटती थीं, कि लड़की को कहा भेज दिया? इस प्रकार केवल पिताजी के कारण ही मुझे पढ़ाई में रुचि उत्पन्न होने लगी। फिर जब मैं स्कूल गयी तब पढ़ाई के साथ-साथ अन्य क्षेत्र जैसे कि संगीत, नृत्य, स्विमिंग आदि में भी मन लगता और आनंद प्राप्त होता। पिताजी ने हमेशा से ही मुझे बहुत सहयोग दिया है। बाद में मैट्रिक पास करने के बाद भी पिताजी को संतोष नहीं मिला, वह स्वयं शिक्षक होने के कारण चाहते थे कि मैं भी व्याख्याता बनूँ।

कॉलेज के द्वितीय वर्ष में मेरी शादी हुई और दामाद भी व्याख्याता ही चुना, ताकि मुझे प्रोत्साहन मिलता रहे। एम.ए. होने के बाद स्वयं पिताजी ने मुझे कॉलेज में सयुक्त करवाया। इस तरह पिताजी के प्रोत्साहन के सहारे आज मैं इस मुकाम पर हूँ और जो भी मैं करती थी उसमें पिताजी खुश होंगे इसलिए करती थी- नाकि मुझे पढ़ना है, नौकरी करनी है, कारण ऐसे कभी किसी लड़की को देखा नहीं था जो पढ़-लिखकर नौकरी करती हो। मुझे देख के बाद मैं सबको प्रोत्साहन मिला। “यह केवल इसलिए था ताकि पिताजी खुश हो- वह खुश होते गए और मुझे आगे बढ़ाते गये।”

## Events/Activities Conducted

### “Vachak Katta”

The Department of Marathi has instituted 'Vachak Katta' to develop the reading habits of the students. Under this programme, students are given a platform to express their views on books read by them every month. The inaugural edition of 'Vachak Katta' was inaugurated by Chief Guest Shri. Krushnaji Kulkarni, a retired Teacher, on 7th July 2019. Dr. Geeta Gawas Yerlekar was the Chief Guest for the second edition of 'VachakKatta' held on 5<sup>th</sup> August, 2019.



### Lecture on Personality Development

Mr. Roshan Nisar, Managing Partner of “The Leader”, conducted a lecture on importance of personality development on 26th August, 2019. He also mentioned about conducting a certificate course in Campus Recruitment Training programme, which would also include a part on personality development for students, so they stand a good chance at the time of recruitment in the industry. Dr. Varsha Ingalhalli was the faculty in-charge of the event.



### Income Tax Day Celebration:

The College celebrated 24<sup>th</sup> July, 2019 as Income Tax Day. Mr. Rajendra Bhobe delivered a guest lecture on behalf of Income Tax department. This was followed by taking of a pledge to become an honest tax payer and help in the development of the economy, by the students of Vidya

Prabodhini College.



## Rangadarpan Mohotsav 2019

The Student Council organized 'Rangadarpan Mohotsav 2019' intra-collegiate competition on 29<sup>th</sup> August, 2019, to showcase the cultural talents of its students. Competitions were conducted in the categories of Ghumat Aarti, Folkdance, eco-friendly Makhar making, and Mehendi. Former students were invited as judges for the competitions: Mr. Sanjit Naik and Mr. Meghal Kauthankar for Ghumat Aarti, Ms. Mayuri Prabhu and Ms. Krutika Shirodkar for Folk Dance, Mr. Paresh Hirve, and Ms. Samradhni Gadekar for the eco-friendly makhar making, Ms. Neha Parab and Ms. Mansi Barve for the Mehendi Competition.

In all the four categories, Team Vignarajendra (Fourth Year B.A.B.Ed.) secured the first place, and was declared as the champion of the event. Winning the second place in all the four competitions, Team Lambodar (First Year B.A.B.Ed.) secured the Runner's up trophy.

## Certificate Courses Conducted

A short term 40-hour certificate course, *Skill based Entrepreneurship* (Clay Ganesh Idol-Making) was conducted from 20<sup>th</sup> July to 25<sup>th</sup> August 2019. Over 16 students signed up for the workshop. The inaugural function was held on 20<sup>th</sup> July, 2019. Dr. M R Patil inaugurated the course. Shri. Bhisaji Gadekar, Shri. Sanjay Murari Mhamal, Shri. Praveen Murari Mhamal, Shri. Aapa Kumbhar, Shri. Vandesh Pendurkar, Shri. Sham Shetkar, Asst. Prof. Kalidas Mohan Mhamal and Asst. Prof. Rudresh Uttam Mhamal were the resource persons for the workshop.

## Harmful effects of Fireworks

A talk on harmful effects of fireworks was held on 19<sup>th</sup> August, 2019 for the First Year students. This talk was conducted by Ms. Santoshi Narvencar, Asst. Prof. in Environmental Studies wherein the students were made aware of the harmful effects of fireworks on human health and the environment. Also, the students were made aware of the plight of child laborers in the fireworks industry. Videos on these topics were screened during this session.

## Goa Revolution Day

The NSS Unit celebrated Goa Revolution Day on 18<sup>th</sup> June, 2019. Addressing the students, Shri. Aditya Watve, Asst. Prof. at Dhempe College, Miramar, said that Kranti Din was observed to commemorate the date when freedom fighter Ram Manohar Lohia, gave a call to the people of the state to resist the oppressive policies of the colonialists in 1946. 74 NSS Volunteers and six Program Officers participated in the function.

## Poster Making Competition:

The NSS Unit organized a poster making competition on 2<sup>nd</sup> August, 2019. The competition was held in the college grounds. The students were awarded the first place. Mr. Kalidas Mhamal Asst. Professor in Fine Arts and Mr. Rahul Gawas Asst. Professor in Geography, judged the competition. The winner was

competition on the theme, 'Chandrayaan I and II', for undergraduate students, on 2<sup>nd</sup> August, 2019. Ms. Srejal Parab (FYBCom A) and Ms. Pranjali Narvekar (FYBCom A) were awarded the first place. Mr. Kalidas Mhamal Asst. Professor in Fine Arts and Mr. Rahul Gawas Asst. Professor in Geography, judged the competition. The winner was felicitated at the inaugural event of 'Nisarg Club' at the hands of the chief guest Shri. Rajendra Kerkar. Asst. Professor Santoshi K. Narvencar and Asst. Professor Rhythm V. Kenkre were in charge of the competition.

## Interclass Microteaching Competition

The Education Department organized first Interclass Micro Teaching Competition for Second year, Third Year and Fourth Year B.A.B.Ed. teacher trainees on 28<sup>th</sup> Aug, 2019. The competition was held for Geography, History, Hindi, Marathi, Konkani and English Methodologies. 29 participants participated in the competition. The observers for competition were the concerned subject and methodology teachers. Mr. Gautam G. Gaude was the incharge of the competition.

## Talk on Right To Education 2009

The Department of Education organized a talk, on The right of children to free and compulsory education on 30th July 2019. Mr. Vishal Signapurkar, Headmaster of Govt. School Kundai, Ponda Goa was the resource person for the talk. He discussed the norms and standards of school, their community participation, and capitation fee and admission rules. He focused on ten main functions of RTE Act 2009, and advised teacher trainees to become resourceful teachers throughout their lifetime.

## One Student One Tree Programme

A One Student One Tree Programme was organized by IGNOU, MHRD, Govt. of India from 1st to 31st August, 2019 at IGNOU Study Centre 08033, Vidya Prabodhini College, and IGNOU Panaji Regional Centre 26th August 2019 National.

## Munshi Premchand Day

'Munshi Premchand evam Goswami Tulsidas Jayanti' was organized on 31 August, 2019. Ms. Magdalene D'Souza, Associate Professor St. Xavier College, Mapusa, Goa, was the chief Guest for this event. She touched upon the various aspects related to Munshi Premchand and Goswami Tulsidas.

## Rally on International Yoga Day

The NSS volunteers of the College participated in the rally organised on the occasion of International Yoga Day by the Directorate of Sports and Youth Affairs in association with NSS Cell, Goa University, Panaji-Goa on 21<sup>st</sup> June, 2019. The rally had commenced from Miramar beach and finished at Campal Ground. Shri. Kalidas Mhamal, along with NSS volunteers, attended the rally.

in the rally organised on the occasion of International Yoga Day by the Directorate of Sports and Youth Affairs in association with



NSS Cell, Goa University, Panaji-Goa on 21<sup>st</sup> June, 2019. The rally had commenced from Miramar beach and finished at Campal Ground. Shri. Kalidas Mhamal, along with NSS volunteers, attended the rally.

## Rakhi for Soldiers

The students of the College collected rakhis for soldiers. The collected rakhis were



handed over to the Jan Shakti organization. This organization is sending these rakhis to the soldiers on borders. Ms. Yogita Chodankar along with the students attended

## Nisarg Hariyalee - Pride of VPC

The Nisarg Club, which was established in 2013, took a leap in the field of environment conservation by establishing its own Plant Nursery in the year 2017. This was possible due to the able leadership and guidance of Dr. M.R.Patil, Principal and Dr. Sukhaji Naik, Vice-Principal. The nursery presently has 1500 saplings of coconut, mango, chikoo and guava and is managed by Nisarg Club, under the Convenership of Asst. Prof. Santoshi Narvencar and Co-convenership of Asst. Prof. Darshan Kandolkar. Since the past two years, the nursery has been



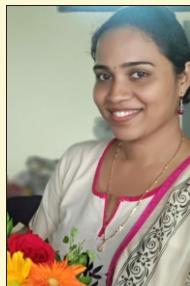
supplying saplings to students, teachers and other employees of Prabodhan Education Society's various academic institutions, who have planted and nurtured them. A detailed record of the saplings planted by Nisarg Club members, who are students of Vidya Prabodhini College, is maintained in the form of sapling pictures on Nisarg Club's Whatsapp group.

## Sports

- Miss Anisha Reddy from S.Y.B.Com B, Alfiya Bepari from S.Y.B.Com A, Pranjali Navelkar T.Y.B.Com B, Riddhi Priolkar F.Y.B.Com A and Pooja Saini from F.Y.B.Com A represented Goa Tug of War Association at **All India Tug of War Women's National** held at Agra-Cannt, Uttar Pradesh, from 25th July 2019 to 2nd August 2019.
- Miss Anisha Reddy from S.Y.B.Com B won **Gold medal** at 5th Junior Wushu Championship held at Peddem, Mapusa Goa on 17th and 18th August 2019 organized by Goa Wushu Association.
- Mast. Sunil Begur S.Y.B.Com B won **Silver medal** and **Bronze medal** in 100M and 4X100m Relay respectively at State Athletic Championship organized by Goa Athletic Association.
- Mast. Sunil Renati S.Y.B.Com A won **Silver medal** and **Bronze medal** in Long Jump and 4X100m Relay respectively at State Athletic Championship organized by Goa Athletic Association.
- Miss Chaitali Gawas from F.Y.B.A.B.Ed B won **Gold** and **Bronze medal** in 100M Hurdles and 400M Hurdles respectively at West Zone Athletics Championship held at Rajasthan. She also won **Gold medal** in 100M Hurdles and 400m Hurdles at State Athletic Championship organized by Goa Athletic Association.
- Miss Anjoom Sawantdessai from Fourth Year B.A.B.Ed won **Gold medal** at Inter-Collegiate Women Judo Championship held at Jubilee Hall, Taleigao organized by Goa University.
- Miss Neha Lokhre from T.Y.B.Com B won **Silver medal** at Inter-Collegiate Women Judo Championship held at Jubilee Hall, Taleigao organized by Goa University.
- Miss Vidisha Bhagat from Fourth Year B.A.B.Ed won **Bronze medal** at Inter-Collegiate Women Judo Championship held at Jubilee Hall, Taleigao organized by Goa University.
- Women's Judo Team won **2nd Runner's Up** at Inter-Collegiate Women Judo Championship held at Jubilee Hall, Taleigao organized by Goa University.
- Mast. Pramod Honkhande won **Bronze medal** at Inter-Collegiate Men Power Lifting Championship held at Jubilee Hall, Taleigao organized by Goa University.
- Mast. Sharanappa Gaddi won **Bronze medal** at Inter-Collegiate Men Power Lifting Championship held at Jubilee Hall, Taleigao organized by Goa University.

## Stellar Achievement

Dr. Varsha Basavaraj Ingalhalli successfully defended her Ph.D. thesis titled, "Linkage Dynamics between Financial Markets in India: An Empirical Study", under the guidance of Prof. Y. V. Reddy, Registrar and, Professor in Commerce (on Lien) at Goa Business School, Goa University, Taleigao, Goa, on 14<sup>th</sup> August, 2019. Dr. M. Jayadev,



Professor at Indian Institute of Management, Bangalore, was the External Examiner, while Dr. Anjana Raju, Professor in Commerce at Goa Business School, Goa University, was the Subject Expert. Dr. Ingalhalli was felicitated by Shri. Prabhakar Bhate, Chairperson of Prabodhan Education Society at the Joint Staff Meeting held on 16<sup>th</sup> August, 2019. The Ph.D degree will be formally conferred at the Annual Convocation ceremony for the AY 2019-20.

## Extracurricular

- Ms. Shreeya Sawant of F.Y.B.Com (A) and Ms. Deepali Satpute of T.Y.B.Com (A) won the **First place** at **All Goa Intercollegiate Quiz Competition** on the theme "India's Economic Resources" organized by the Dept. of Economics, Fr. Agnel College of Arts & Commerce, Pilar on 25th July 2019. The students were guided by Ms. Shamal Dessai, Asst. Prof. in Economics.
- Ms. Bhakti Paranjape of T.Y.B.A.B.Ed secured **Third place** and Ms. Sonal Velingkar of T.Y.B.A.B.Ed secured **Consolation prize** in the Essay writing competition organized by the NGO 'Anagha Vaccha Pratishthan', Parvati.
- An Intercollegiate Quiz on the topic, Bakibaab Borkar was organized on 30<sup>th</sup> July, 2019 by Institute Menezes Braganza, Panaji, Goa. Ms. Milan Usapkar from S.Y.B.A.B.Ed and Miss. Mangal Harlankar from F.Y.B.A.B.Ed. secured **Third place** and won Rs. 6,000/- cash prize. Assistant Professor Yogita Chodankar, Assistant Professor Darshan Kandolkar and Assistant Professor Kavita Gawas guided the students.



## Cultural

- Mr. Sunny Phayde was awarded **Best Ghumat Wadak** at the Intercollegiate Ghumat Aarti Competition organised by Prime Media Goa at Goa University, Taleigao, Goa, on 26<sup>th</sup> August 2019.
- Miss Ashwini Abhiyankar of S.Y.B.A.B.Ed. secured the **first place** in the Intercollegiate Abhang Gaayan Competition organised by Govt. College Khandola, Goa on 30<sup>th</sup> Aug., 2019.

## Faculty Guest Invites

### Ms. Shamal Dessai

Invited as a Judge for the **State level Inter-Collegiate event 'ARTHAANG 2019'** 'Waste to Wealth' and 'Poster Making Competition' theme: Innovation and knowledge-based Economy for Entrepreneurship, organised by the Dept. of Economics, DM's College & Research Centre, Assagao, Bardez – Goa on 17<sup>th</sup> September, 2019.

### Ms. Yogita Chodankar

Invited as Chief Guest for NSS Unit installation function, at Raghuvir and Premavati HSS at Chodan, on 27<sup>th</sup> June, 2019.

### Mr. Kuldeep Ashok Kamat

Invited as a Guest Lecturer to deliver a talk on "Environment" at Goa Akashwani & as judge for Elocution Competition by Giants Group of Pirna.

### Dr. Sonali Shankwalkar

Invited as Resource Person for One-day CRE programme at Kowyas College, Chiaplun, on "Media and Disability" on 25<sup>th</sup> August, 2019.

## Faculty Research

### Dr. Sagar Mali

Presented the following papers at the national & international conferences:

- Application of Geospatial Technology for Coastline Changes and CRZ Violation for sustainable coastal management in Calangute and Anjuna Village of Bardez Taluka Goa Department of Geography, Shivaji University, Kolhapur 20th and 21st September, 2019
- Change Detection Analysis of Kushavati River Basin, Goa: A Geospatial Approach. Department of Geography, Shivaji University, Kolhapur 20th and 21st September, 2019
- Geospatial Study of Potential and Problems of Carambolim Lake as an Eco-Tourism site in Goa (Paper Accepted) XIV DGSI International Geography Conference, Dept. of Geography, University of Rajasthan, Jaipur 27th to 29th September, 2019.

### Dr. Varsha Ingalhalli

- Participated in One-Week National Level Faculty Development Programme on "Research and E-Resources", held at Don Bosco Institute of Technology, Bangalore from 15<sup>th</sup> July - 20<sup>th</sup> July, 2019.